REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 11 | ISSUE - 1 | OCTOBER - 2021

भारत में वाणिज्य के डिजिटलीकरण की भूमिका का अध्ययन

डॉ. निशिता गोपाल चिमोटे
एस.के.पोरवाल, कॉलेज, कामठी. जि. नागपूर.

सारांश:

डिजिटल वाणिज्य डिजिटल मीडिया के साथ वाणिज्य की सभी भौतिक गतिविधियों को संदर्भित करता है। डिजिटल कॉमर्स को इंटरनेट के आधार पर पूरी प्रक्रिया का सरलीकरण माना जाता है। उत्पादन, भंडारण, वितरण, बिक्री और बिक्री के बाद की सेवाओं को वाणिज्य में महत्वपूर्ण सेवाएं और कार्य माना जाता है। इस वाणिज्य कार्य को डिजिटल वाणिज्य में डिजिटल माध्यम द्वारा सुगम बनाया गया है। वाणिज्य के डिजिटलायझेशन का अर्थ इंटरनेट के माध्यम से सभी कार्य करना नहीं है, बल्कि इसका अर्थ है इंटरनेट के माध्यम से जानकारी प्रदान करना, इसका उपयोग करना और साथ ही संचार में डिजिटल दस्तावेजों का उपयोग करना है। उदा. ऑनलाइन बिक्री प्रणाली के तहत, ग्राहक वास्तविक स्टोर पर जाए बिना अपने घर पर सामान प्राप्त कर सकता है। इसलिए वस्तु का चयन करना, उसकी कीमत जानना, कीमत देना आदि डिजिटल रूप से किए जा सकते हैं। भारत में कई सेवाएं वर्तमान में डिजिटल कॉमर्स में महत्वपूर्णभूमिका निभा रही हैं। इस अनुसन्धान में भारत में वाणिज्य के डिजिटलीकरण की भूमिका का अध्ययन किया गया है।

बिज शब्द : डिजिटलीकरण, डिजिटल कॉमर्स, डिजिटल मीडिया, इंटरनेट, ऑनलाइन.

परिचय:

पिछले कुछ वर्षों से डिजिटायझेशन, डिजिटलायझेशन आणि डिजिटल ट्रान्सफॉरमेशन (Digitization, Digitalization and Digital Transformation) इन तीन शब्दों का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। लेकिन इन शब्दों का अक्सर गलत अर्थ निकाला जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने 'व्यवसाय' को डिजिटाइज़ करना चाहता है, तो वह इसे कैसे करता है? क्या यह सभी व्यावसायिक मामलों को बाइट्स और बीट्स में बदल देगा? क्या स्वचालित मशीनें सभी मानव श्रम की जगह ले लेंगी? या सब कुछ इंटरनेट से जुड़ा होगा? ऐसे और कई सवाल उठते हैं। यही कारण है कि डिजिटलीकरण या डिजिटल परिवर्तन आज सभी पेशेवरों के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। व्यवसाय की दृष्टि से डिजिटलीकरण का अर्थ है इंटरनेट के माध्यम से व्यवसाय करना। लेकिन इसका अर्थ और दायरा सिर्फ इंटरनेट के इस्तेमाल तक ही सीमित नहीं है बल्कि उससे कहीं ज्यादा है। तो वाणिज्य का डिजिटलीकरण क्या है? इसका गहराई से अध्ययन करना जरूरी है। वैसे, इसकी शुरुआत २१वीं सदी की शुरुआत में हुई थी। लेकिन उस समय के व्यवसायियों ने डिजिटलीकरण को केवल इंटरनेट के माध्यम से विज्ञापन देने और कुछ हद तक ऑनलाइन बिक्री तक सीमित कर दिया था। २०१४ के बाद, भारत के प्रधान मंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ने 'डिजिटल इंडिया' की अवधारणा और योजना की घोषणा की, और 'डिजिटलायझेशन' की प्रक्रिया ने गति पकड़ी। इसलिए, डिजिटलायझेशन के संबंध में वाणिज्य के क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं और प्रक्रियाओं को लागू किया जाने लगा।

डिजिटल कॉमर्स वह व्यापार है जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की मदद से होता है। डिजिटल कॉमर्स की शुरुआत सबसे पहले साल १८४४ में हुई थी। श्री सैमुअल मोर्स ने पहला टेलीग्राफ संदेश भेजकर इसकी शुरुआत की।१८७७ तक, Western Union Telegram Company जनता को जानकारी प्रदान करती थी। उसके बाद टेलीफोन के माध्यम से व्यापारिक लेनदेन शुरू हुआ।१९६६ में, इलेक्ट्रॉनिक्स डेटा इंटरचेंज ने कंपनियों के इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन को मंजूरी देकर डिजिटल कॉमर्स की अवधारणा को जन्म दिया।१९९४ में, नेटकैंप कम्युनिकेशंस ने अपने ग्राफिकल ब्राउज़र को इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया। इससे व्यापार जगत में ईक्रांति आई। इस ब्राउज़र के उपयोग ने डिजिटल कॉमर्स सहित सभी प्रकार की कंप्यूटिंग गतिविधियों को तेज कर दिया है। उसके बाद पर्सनलकंप्यूटर का इस्तेमाल बढ़ने लगा। १९९५ में, जेफ बेजोस ने इंटरनेट पर किताबें और अन्य सामान बेचने के लिए Amazon.com, एक वेबसाइट बनाकर सही मायने में डिजिटल कॉमर्स की शुरुआत की। साल २००० तक, कई पुस्तक विक्रेताओं ने डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से बिक्री करना शुरू कर दिया। साल २००५ के बाद से पूरी दुनिया में ईक्रांति ने गति पकड़नी शुरू की और आज हर जगह ऑनलाइन लेनदेन किया जा रहा है। आज इंटरनेट ने पूरे वाणिज्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। कुछ महत्वपूर्ण सेवाओं या घटकों का उल्लेख नीचे किया गया है।

आज डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री की जाती है। इससे भौतिक या सॉफ्ट सामान के साथ-साथ सेवाएं प्रदान करना आसान हो जाता है। डिजिटल कॉमर्स के लेनदेन को पूरा करने के लिए होस्टिंग सर्वर की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपकी वेब सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी होस्टिंग सर्वर कहलाती है। डिजिटल कॉमर्स लेनदेन को पूरा करने के लिए कंपनी की अपनी वेबसाइट होनी चाहिए। यह वेबसाइट कंपनी द्वारा उपलब्ध सभी वस्तुओं और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए आवश्यक है। इसमें वस्तु की बिक्री के लिए सभी आवश्यक चीजों का होना भी आवश्यक है। डिजिटल कॉमर्स लेनदेन की पूर्ति काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि वेबसाइट पर बिक्री की सुविधा कैसे उपलब्ध है। बिक्री सुविधाओं में वेब डिज़ाइन, व्यापारिक उपकरण, खरीदारी तत्व, खोज विकल्प, कर लाभ, सुरक्षा आदि शामिल हैं। यह डिजिटल कॉमर्स को प्रभावी ढंग से कार्य करने की अनुमति देता है।

अनुसंधान के लिए प्रयुक्त डेटा संग्रह विधि

शोध पत्र द्वितीयक आंकड़ों पर निर्भर है। इसे वेबसाइटों, पुस्तकों और समाचार पत्रों से एकत्र किया गया है।

अनुसंधान का उद्देश्य

१) भारत में वाणिज्य के डिजिटलीकरण की भूमिका का अध्ययन करना।

२) भारत में वे सेवाएं जो वर्तमान में डिजिटल कॉमर्स में महत्वपूर्ण भूमिकानिभा रही है उनकी खोज करना।

३) वाणिज्य के क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों की जानकारी लेना।

भारत में वाणिज्य के डिजिटलीकरण की भूमिका:

डिजिटल कॉमर्स वह व्यापार है जो कंप्यूटर के माध्यम से इंटरनेट पर होता है। डिजिटल कॉमर्स व्यापार और वाणिज्य के लिए उपयोगी कार्यों का एक सेट प्रदान करता है। ये कार्य इंटरनेट के माध्यम से किए जाते हैं। इसके लिए इंटरनेट पर कई ऐप मौजूद हैं। डिजिटल कॉमर्स मर्चेंट से मर्चेंट, कंज्यूमर से मर्चेंट और मर्चेंट से कंज्यूमर है। सभी वाणिज्यिक लेनदेन जैसे माल की खरीद, सूचनाओं का आदान-प्रदान, सेवाओं की खरीद, मूल्य खोज इंटरनेट के माध्यम से किएजाते हैं। साथ ही, व्यवसाय के लिए आवश्यक सभी सहायक कार्य इंटरनेट के माध्यम से ही किए जाते हैं।

भारत में आज किसी भी व्यक्ति या संगठन में डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से लेन-देन हो रहा है। इससे इसका दायरा और भी बढ़ रहा है। यदि दो वाणिज्यिक संगठनों के बीच डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से लेन-देन होता है, तो इसे 'व्यवसाय से व्यवसाय डिजिटल कॉमर्स' कहा जाता है। भारत में कई कंपनियां इन कच्चे माल, स्पेयर पार्ट्स, अन्य सामानों को इंटरनेट के माध्यम से अन्य व्यापारियों को बेचती हैं। ऐसे लेन-देन में क्रेता और विक्रेता दोनों ही पेशेवर होते हैं। भारत में एक निर्माता या विक्रेता कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से सीधे उपभोक्ताओं से संपर्क करके इंटरनेट के माध्यम से सामान और सेवाएं बेचता है। इन वस्तुओं और सेवाओं को वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाता है। ग्राहकों को उनकी कीमत और उपयोगिता के बारे में जानकारी दी जाती है। इन वस्तुओं या सेवाओं को इंटरनेट पर देखकर ग्राहक

अपनी मांग दर्ज करते हैं और इंटरनेट के माध्यम से ही इसकी कीमत का पता लगाते हैं। चूंकि उत्पादक सीधे उपभोक्ताओं को माल बेचते हैं बिचौलियों से परहेज करते हुए, माल की कीमतें कम होती हैं। भारत में आज अधिकांश डिजिटल कॉमर्स में व्यवसाय इसी तरह से किया जा रहा है। भारत में डिजिटल कॉमर्स का उपयोग अप्रचलित उत्पादों को अन्य ग्राहकों को फिर से बेचने के लिए किया जाता है। जो ग्राहक इन वस्तुओं को कम कीमत में खरीदना चाहते हैं वे वेबसाइट पर वस्तुओं को देखकर खरीद लेते हैं। साथ ही कीमत का भुगतान वेबसाइट के जरिए किया जाता है। OLX.com साइट इसके लिए मशहूर है।

भारत में जब पेशेवरों को कई मामलों में सरकारी कार्यालयों से संपर्क करना पड़ता है। करों का भुगतान करने और वस्तुओं और सेवाओं की रिकॉर्ड बिक्री के लिए सरकारी कार्यालयों से मुख्य रूप से वेबसाइट के माध्यम से संपर्क किया जाता है।भारत में वर्तमान में, जीएसटी का भुगतान ऑनलाइन किया जा रहा है। आज सरकारी कार्यालयों के लिए सभी पेशेवरों से एक साथ जुड़ने के लिए इंटरनेट एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपकरण है। व्यवसायियों द्वारा जमा किये जाने वाले विभिन्न प्रपत्र, विभिन्न नियम, कर एवं कर संबंधी नियम, कानून एवं शर्तें आदि व्यवसायियों को शासकीय वेबसाइट पर उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

किसी भी व्यवसाय को अपने आप विकसित होने के लिए, उसे आधुनिक रुझानों और निरंतर परिवर्तनों के अनुकूल होने की आवश्यकता होती है। वर्ष २०१७ के बाद ऐसा लग रहा है कि जैसे टेक्नोलॉजी में विस्फोट हो गया है। भारत में, कंप्यूटर व्यवसाय और डिजिटल वाणिज्य ने पूरे व्यापार क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया है। हर दिन नए-नए प्रयोग हो रहे हैं और उसमें से नवाचार हो रहा है। कुछ नवीनतम नवाचारों को निम्नानुसार स्पष्ट किया जा सकता है।

ऑनलाइन विज्ञापन वाणिज्य के क्षेत्र में नवीनतम नवाचार है। आज भारत में इन ऑनलाइन विज्ञापनों ने बहुत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। इन सभी सेवाओं का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को अपनी वस्तुओं और सेवाओं की ओर आकर्षित करना है। वे विभिन्न वेब कंपनियों के साथ व्यापार समझौते कर रहे हैं ताकि ग्राहक कंपनी की वेबसाइट खोल सकें और उसमें निहित पूरी जानकारी पढ़ सकें। यह सुविधा प्रदान की गई है कि जैसे ही ग्राहक अपना कंप्यूटर खोलते हैं कंपनी के विज्ञापन ग्राहक के मॉनिटर पर दिखाई देंगे। भारत में नवीनतम डिजिटल वाणिज्यिक नवाचारों में, अब वेबसाइटों को बहुत आसानी से प्रबंधित करना संभव है। सभी पेशेवर बहुत ही सरल वेबसाइट प्रदान कर रहे हैं जहां ग्राहक आसानी से पेशेवरों द्वारा बनाई गई वेबसाइटों से सामान और सेवाएं खरीद सकते हैं। इस वेबसाइट का उपयोग करने के लिए बहुत कम जानकारी और प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है। इसलिए छोटे से लेकर बड़े तक हर कोई इन वेबसाइटों को आसानी से हैंडल कर रहा है।

भारत में नवीनतम नवाचार के माध्यम से इंटरनेट सेवाओं का धमाका हुआ है। आज लगभग सभी मोबाइल कंपनियां अपने मोबाइल ग्राहकों को इंटरनेट सेवाएं प्रदान कर रही हैं। यह औसत व्यक्ति के लिए मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करके व्यापार करना संभव बनाता है। यही कारण है कि भारत के प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई 'स्टार्ट अप' योजना एक बड़ी सफलता प्रतीत होती है। नवीनतम नवाचारों के कारण, अब भारत में हर कोई अपना खुद का ब्रांड विकसित कर सकता है। व्यापार की दुनिया में अपने व्यक्तिगत ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट एक महत्वपूर्ण उपकरण है। इसने व्यापार को विश्व स्तर पर बहुत आसानी से ले जाना संभव बना दिया है। इस नवाचार ने छोटे व्यवसायियों के लिए अपने ब्रांड को वैश्विक बाजार में स्थापित करने के लिए उपकरण विकसित करना आसान बना दिया है। इसलिए, बहुत कम समय, कम लागत और कम प्रयास में "स्थानीय से वैश्विक" व्यवसाय की यात्रा करना संभव है। भारत में नवीनतम नवाचारों के कारण व्यवसाय में प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धियों की संख्या में कमी आई है। दूसरी ओर, इंटरनेट के माध्यम से, उपभोक्ताओं को घर पर एक ही प्रकार की वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी प्राप्त हो रही है, जिससे उन्हें चुनाव करने की पर्याप्त गुंजाइश मिल रही है। अतः जिस व्यवसायिक संगठन की वस्तुएँ एवं सेवाएँ अच्छी गुणवत्ता की होती हैं वह स्वतः ही माँग उत्पन्न कर देती है।

भारत में आधुनिक व्यापार जगत में कर्मचारियों को वास्तविक प्रशिक्षण देने के बजाय, ऑनलाइन प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। स्काइप या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ने विभिन्न वेबिनार के माध्यम से कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना, सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करना बहुत आसान बना दिया है। आधुनिक कारोबारी दुनिया में काम के पैटर्न को लगातार बदलने की प्रवृत्ति है। आज की दुनिया में व्यवसाय शुरू करते समय चीजों को करने के तरीके को बदलते रहना महत्वपूर्ण है। इसलिए कार्य पद्धति में निरंतर परिवर्तन आधुनिक व्यापार की एक नवाचार योजना है। आधुनिक डिजिटल कॉमर्स में यह एक महत्वपूर्ण नवाचार है। डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से प्रत्येक ग्राहक के व्यक्तिगत अनुभव को महत्व दिया जाता है। प्रत्येक ग्राहक की प्राथमिकताओं के अनुसार उत्पादन प्रणाली को लागू करने का प्रयास किया जाता है। इसे 'प्रासंगिक विपणन' कहा जाता है। यह हर ग्राहक को कंपनी के साथ ईमानदार रखने के लिए बहुत प्रयास करता है।

भारत में विभिन्न उपकरणों के माध्यम से डिजिटल कॉमर्स किया जा रहा है। वॉयस डिवाइस के जरिए ग्राहकों को निर्देश देकर सामान बेचने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। आज इस प्रकार की ध्वनि खोज उपभोक्ताओं द्वारा व्यापक रूप से उपयोग की जाती है। इनमें Apple Siri, Amazon, Alexa और Google Assistant शामिल हैं। उपभोक्ताओं को इन उपकरणों का उपयोग करना अधिक सुविधाजनक लगता है।

इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न ऐप्स और वेबसाइटों पर विभिन्न प्रकार की सूचनाओं के प्रावधान के कारण, प्रारंभिक अनुमान था कि वैश्विक खुदरा डिजिटल व्यापार २०२१ तक ४.८८ ट्रिलियन डॉलर्स तक बढ़ जाएगा। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT) ने सूची प्रबंधन को बहुत आसान बना दिया है और इसे फॉलो करना भी आसान हो गया है। नतीजतन, सूची प्रबंधन में मानवीय त्रुटियां कम हो गई हैं।एक स्थान से दूसरे स्थान पर माल की आपूर्ति में आने वाली विभिन्न समस्याओं को आजIOT ने काफी हद तक दूर कर लिया है। इसलिए ऑनलाइन मार्केटिंग की प्रक्रिया तेजी से हो रही है। उपभोक्ता और विक्रेता इंटरनेट के माध्यम से आपूर्ति प्रक्रिया, यातायात की स्थिति, स्थान, मौसम आदि में शामिल लोगों के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आपूर्ति प्रबंधन बहुत सुचारू हो गया है।इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT) ने सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाना बहुत आसान बना दिया है। उत्पादन के स्थान से लेकर ग्राहक के घर तक वितरण श्रृंखला के सभी घटकों का ट्रैक रिकॉर्ड इंटरनेट ऑफ थिंग्सद्वारा प्रबंधित किया जाता है। वितरण की कई समस्याएं अब काफी हद तक दूर हो गई हैं।

'संवर्धित वास्तविकता डिजिटल कॉमर्स में एक अद्भुत इनोवेशन है। इसे सबसे पहले ऑनलाइन गेमिंग में इस्तेमाल किया गया था। लेकिन अब यह भारत में विभिन्न प्रकार की बिक्री प्रणालियों में भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इससे ग्राहक को वस्तु के करीब होने का एहसास होता है और वे बार-बार वस्तु को ऑनलाइन ऑर्डर करने की कोशिश करते हैं। डिजिटल इनोवेशन का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। आज लगभग सभी उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित विभिन्न एल्गोरिदम ग्राहकों को एक सुखद व्यक्तिगत खरीदारी अनुभव प्रदान करते हैं। डिजिटल कॉमर्स करने वाले विभिन्न विक्रेता इसलिए बहुत ही स्मार्ट तरीके से विभिन्न बाजार के रुझान, ग्राहक जानकारी, सोशल मीडिया जानकारी, विभिन्न सर्वेक्षण आदि करने में सक्षम हैं। चैटबॉट एआई द्वारा संचालित स्मार्ट सर्वो का एक बेहतरीन उदाहरण हैं। चैटबॉट सॉफ्टवेयर वास्तविक मानव वार्तालाप की तरह पाठ या आवाज में संचार कर सकता है। इसलिए ई-रिटेलर अपना संचार समय बचा सकते हैं। यह एक ऑटोमेटेड सर्विस है जो २४/७ यानी फुल टाइम खुली रहती है। इसलिए ग्राहक अपने सुविधाजनक समय पर इस सेवा का लाभउठा सकता है। डिजिटल कॉमर्स में ब्लॉकचेन को एक महत्वपूर्ण इनोवेशन माना जाता है। ब्लॉकचेन सुरक्षा, पारदर्शिता और विकेंद्रीकरण के लिए बड़ी संख्या में डेटा संरचनाएं बनाता है। इसनेभारत में ई-कॉमर्स में एक नियंत्रित वातावरण बनाया है।

निष्कर्ष:

यह कहने में कोई समस्या नहीं है कि भारत आज एक कनेक्टिंग व्यवसाय या अर्थव्यवस्था है। कई कंपनियां उभर रही हैं जो केवल वेब साइट के माध्यम से ग्राहकों को जोड़कर बड़े पैमाने पर व्यवसाय चला रही हैं। आने वाले वर्षों में ऐसे कई व्यवसाय भारत में उभरेंगे। छोटे व्यवसाय की बिक्री के लिए एक व्यवसाय पर निर्भर किए बिना डिजिटल वाणिज्य में कई व्यवसाय स्थापित डिजिटल कॉमर्स उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को उपभोक्ताओं को कम कीमतों पर आसानी से उपलब्ध करा रहा है। यह समाज के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद कर रहा है।भारत में डिजिटल कॉमर्स ने बड़े या छोटे, अमीर या गरीब, युवा या बूढ़े किसी भी उपभोक्ता के सामाजिक स्तर को ऊपर उठाने में मदद की है। डिजिटल कॉमर्स के लिए टेलीफोन और इंटरनेट सेवाएं हर जगह उपलब्ध होनी चाहिए। ये सुविधाएं अभी भी भारत के कई हिस्सों में उपलब्ध नहीं हैं। डिजिटल कॉमर्स के लिए आवश्यक तकनीक अभी भी भारत में हर जगह उपलब्ध नहीं है। इसके लिए जरूरी सॉफ्टवेयर में समन्वय नहीं है। इंटरनेट कनेक्शन, केबल, आईएसडीएन वायरलेस पर सीमाएं हैं। हालाँकि डिजिटल कॉमर्स के मामले में भारत की कुछ सीमाएँ जरुर हैं, लेकिन समाधान के लिए योजना बनाना आसान है। इसलिए, इसमें कोई संदेह नहीं है कि डिजिटल कॉमर्स का विकास आगे भी जारी रहेगा।

संदर्भ :

- *https://www.xn--i1bj3fqcyde.xn--11b7cb3a6a.xn--h2brj9c/spotlight/%E0%A4%A1%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A4%BF%E0%A4%9F%E0%A4%B2*

- *https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/open-network-for-e-commerce/print/manual*
- *https://www.orfonline.org/hindi/research/india-draft-ecommerce-policy-need-look-beyond-data-new-oil-49769/*
- *https://www.ijsrp.org/research-paper-1017/ijsrp-p7077.pdf*
- *https://www.fibre2fashion.com/news/e-commerce-industry/india-s-flipkart-unveils-innovation-lab-for-e-commerce-ecosystem-280461-newsdetails.htm*
- *https://www.moengage.com/blog/5-e-commerce-technology-trends-that-will-shape-the-future/*
- *https://www.shiprocket.in/hi/blog/future-of-ecommerce/*
- *https://www.smartprix.com/bytes/hi/learn-everything-about-ondc-hindi/*
- *https://hindi.business-standard.com/storypage.php?autono=182223*
- *https://www.bigcommerce.com/articles/ecommerce/ecommerce-trends/*
- *https://www.researchtrend.net/ijet/pdf/70-S-806.pdf*
- *https://www.abacademies.org/articles/influence-of-technology-and-e-commerce-on-economic-growth-some-evidence-from-indian-economy-12227.html*
- *https://ijcrt.org/papers/IJCRT1813162.pdf*
- *https://ijarsct.co.in/Paper0048.pdf*
- *https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A1%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A4%BF%E0%A4%9F%E0%A4%B2_%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4*
- *https://mlsdev.com/blog/future-of-e-commerce-innovations-to-watch-out-for-new*
- *https://www.ijrar.org/papers/IJRAR19D1233.pdf*
- *https://www.adb.org/sites/default/files/publication/692476/adbi-wp1243.pdf*
- *https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-13-9996-1_1*
- *https://www.researchgate.net/publication/291349502_Role_of_Digitization_and_E-commerce_in_Indian_Economic_Growth_An_Employment_Generation_Perspective*
- *https://www.hindikiduniya.com/essay/digital-india-essay-in-hindi/*
- *https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/BCM-305.pdf*
- *https://pibindia.wordpress.com/2017/09/01/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4-%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%82-%E0%A4%A1%E0%A4%BF%E0%A4%9C%E0%A5%80%E0%A4%9F%E0%A4%B2-%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A4%BF/*
- *https://www.dhyeyaias.com/hindi/current-affairs/daily-current-affairs/connected-commerce*